



Духовний сан:

П	О	Т	О	І	Є	Р	Є	Н											
---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Прізвище:

Л	Є	С	Ю	К															
---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

(латинськими)

Л	Є	С	Ю	К															
---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Ім'я:

Б	О	Г	Д	А	Н														
---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

(латинськими)

Б	О	Г	Д	А	Н														
---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

По батькові:

В	О	С	И	П	О	Б	И	Ч											
---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Дата народження:

2	2																		
---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Дата рукоположення в духовний сан:

0	4																		
---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Місце служіння:

С	Е	В	Е	В	А	Т	Б	У	Д	І	С	Т	Р	М	Б	У	К	И	
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--

В	О	Р	Н	О	М	Н	О	Б	С	К	Е	Л	Н	О	Б	А	С	Т	К	
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--

Назва релігійної громади:

Б	О	Д	А	В	И	Х	Р	И	С	К	А	С	Т	О	Б				
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--

Б	У	Д	І	С	Т	Р	М	Б	У	К	И	С	Т	О	Б				
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--

и б о г о

Особистий підпис:

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Керуючий Дрогобицько-Самбірської єпархії архієп.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

«Всі шукайте духовної, як заповіди Ісуса Христа, а єпископа, як Ісуса Христа, Сина Бога Отця, священників же, як зібрання Боже, як собою апостолів. Без них немає Церкви».

(Свщчч. Ігнатій Богомоць).

Дата анкетування:

2	2																		
---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

№

0	0	7																	
---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

1 / 1